>

Title: Need to undertake development of backward areas in cities in the country particularly in North East Delhi Parliamentary Constituency.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): देश में विकास की दृष्टि से कुछ क्षेत्र अति विकसित हैं और कुछ अत्यधिक पिछड़े हुए हैं। यही स्थिति देश के महानगरों - दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चैन्नई इत्यादि की भी है। इन महानगरों के कुछ क्षेत्र अति विकसित हैं तो कुछ क्षेत्र अति पिछड़े हुए भी हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि महानगरों के पिछड़े हुए क्षेत्रों का वरीयता के आधार पर तीव्र गति से सर्वांगीण विकास करके उन्हें भी विकसित क्षेत्रों के समकक्ष लाया जाये, जिससे इन क्षेत्रों के लोग भी मुख्य धारा से जुड़ सकें।

वर्तमान में दिल्ली सहित विभिन्न महानगरों में करोड़ों लोग अमानवीय दशाओं में पिछड़े क्षेत्रों में रह रहे हैं। इन क्षेत्रों में पेयजल, विद्युत, सड़क, सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मूल सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं तथापि लोगों के पास ऐसे पिछड़े क्षेत्रों में रहने के सिवाय कोई चारा नहीं है। महानगरों में लोग रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में प्रवास करते हैं। निर्धनता इन लोगों को पिछड़े क्षेत्रों में रहने के लिए विवश कर देती है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश के महानगरों के विशेषकर दिल्ली के उत्तर-पूर्वी संसदीय क्षेत्र के पिछड़े क्षेत्रों को अपने अधीन लेकर उनके सर्वांगीण विकास हेतु वहां पर व्यय होने वाली धनराशि स्वयं वहन करे और व्यय की जाने वाली राशि को सीधे भिजवाकर इन क्षेत्रों का समुचित विकास तत्परता के साथ करायें एवं इसके लिए समुचित विधान बनाये जाने हेतु भी आवश्यक कदम उठायें।